II. To operate : q.v. : (1) फलं ददाति (दा, c. 3.) ; (2) expr. with गुण:.

WORK (v.t.) : I. To manufacture, make : q.v. : करोति. II. To make w. : कर्म कारयति : v. Also to toil. III. To move (as a machine) : q.v. : चालयति (c. of चल्). IV. To embroider : q.v.

WORK OUT : I. To accomplish : q.v. : निष्पादयति (c. of पद्). II. To invent : परिकल्पयति (c. of कृप्). III. To efface : q.v.

WORK UP : I. To raise : q.v. II. To employ, use : प्रयुंक्ते (युज्, c. 7.).

WORKHOUSE : *कर्मागारम्, अनाथाश्रम: (=asylum).

WORKING (subs.) : (1) कार्यप्रणाली (?) ; (2) परिणाम: (=result, fruit).

WORKMAN, WORKWOMAN : (1) कर्मकर: (f. री) ; (2) कर्मकार: (f. री) ; (3) कर्मकारिन् (f. णी) ; (4) शिल्पकार: (f. री=artisan).

WORKMANLIKE : (1) कर्मठ (f. ठा) ; (2) दक्ष (f. क्षा=skilful : q.v.).

WORKMANSHIP : I. Skill : कर्मकौशलम् and sim. comp.s. II.=work : (1) कर्मन् (n.) ; (2) निर्माणम् (=manufacture).

WORKSHOP : (1) कर्मशाला (?) ; (2) शिल्पशाला ; (3) आवेशनम्, प्र-.

WORLD : Lit. : (1) विश्वम् (=universe), *of w.-wide reputation* : विश्वविख्यातकीर्ति:, D.s. ; *conducive to the good of the w.* : विश्वजनीन: (ना, नं) Si. i. 41.; *supporter of the w.* : विश्वम्भर:, Si. i. 38.; (2) जगत् (=the whole w., also particular w.-s), *the w. is now an empty withered wilderness* : शून्यमधुना जीर्णारण्यं जगत्, U. i. ; *the whole w. from God to worm* : आब्रह्म कीटान्तमिदं समस्तं जगत्, V. m. 74. 20. ; (3) लोक: (any w.), *the w. of gods* : अमरलोक:, Ve. vii. ; *has left the w. (i.e. died)* : परलोकमितो गत:, Ve. iii. 15. ; (4) भुवनम् (=3), *the three w.s robbed of their jewel* : परिमुषितरत्नं त्रिभुवनम्, Ma. v. 29. ; (5) संसार: (=living w.), *throughout the w.* : यावत्संसारमण्डलम्, Si. ; (6) भू: (=earth : q.v.). Ph. : *in this w.* : इह : v. Here ; *of this w.* : ऐहिक: (की, कम्) ; *of the next w.* पारत्रिक (f. की) *or* आमुष्मिक (f. की), D. ii. II. People : q.v. : लोक:. III. Mundane w. : संसार:, *snares of the w.* : संसारमाया (also sim. मायाजालम्, मोहपाश:, etc.). *To renounce the w.* : संन्यस्यति (अस्, c. 4.) ; *aversion to w.* : वैराग्यम्.

WORLDLY : I. Lit. : (1) ऐहिक: (की, कं) ; (2) सांसारिक (f. की) ; (3) ऐहलौकिक: (की, कं) ; (4) by comp. II. Devoted to world : (1) विषयासक्त (f. क्ता), *w.-minded* : विषयासक्तचेतस्, (mfn.) and sim. comp.s ; (2) संसारनिष्ठ (f. ष्ठा) and sim. comp.s (?).

WORM : I. The animal : (1) कीट:, *w.-eaten* : कीटैर्विद्ध (f. द्धा), V. m. 79. 87. ; (2) कृ(क्रि)मि:, *of w.s, insects, and butterflies* : कृमिकीटपतङ्गानाम्, M. xii. 56. II. Of the stomach : कृ(क्रि)मि:, *destroying w.s* : कृमिघ्न (f. घ्ना), Bha.

WORMY : (1) कृमिल (f. ला) ; (2) कृमिन् (f. णी) ; (3) कृमिमय (f. यी) ; etc.

WORRY : (1) बाधते, प्र-, सं-, वि-, (बाध्, c. 1.) ; (2) क्लिश्नाति (क्लिश्, c. 9.) : v. To trouble.

WORSE : I. In gen. : (1) अधिकदुष्ट (f. ष्टा= more faulty) ; (2) निकृष्टतर (f. रा=more low) ; (3) पापीयस् (f. सी=more wicked ; etc.) II. In health : अधिकरुग्ण (f. ग्णा) etc. : v. III. sick.

WORSE (adv.) : (1) निकृष्टतरम् ; (2) पापीयस् (n.) ; etc. : v. Above.

WORSHIP (subs.) : (1) उपासनम्, -ना ; (2) पूजा, -जनम् ; (3) अर्चना, -नम्, अभि-. Ph. : *Your w.* (in address) : देव: *or* धर्मावतार:.

WORSHIP (v.) : (1) उपास्ते, (आस्, c. 2.), *who w.s other gods* : योऽन्यां देवतामुपास्ते, San. iv. ; (2) पूजयति (पूज्, c. 10.), *I will describe how to w. Śiva* : शिवपूजां प्रवक्ष्यामि, A. p. : v. Also to honour, serve.

WORSHIPFUL : (1) अर्चनीय (f. या), अभि, समभि- ; (2) पूज्य (f. ज्या) *or* पूजनीय (f. या) ; (3) उपास्य (f. स्या) *or* उपासनीय (f. या) ; etc.

WORSHIPPER : (1) उपासक (f. सिका) ; (2) पूजक (f. जिका) ; *idol-w.* : प्रतिमापूजक: ; (3) by comp., *w. of Energy* : शाक्त: ; *w. of Vishnu* : वैष्णव: ; (4) भक्त (f. क्ता=attached to) ; *w. of Gaṇeśa* : गणेशभक्त: ; *w. of Yama* : यमपरायण:, San. 34.